न्यूज़ टुडे

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) की स्थापना के 75 वर्ष पूरे हुए

भारतीय निर्वाचन आयोग की स्थापना **25 जनवरी 1950** को हुई थी। इसलिए, इस दिन को **'राष्ट्रीय मतदाता दिवस'** के रूप में भी मनाया जाता है।

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) के बारे में

- यह एक **स्थायी संवैधानिक निकाय** है।
  - **अनुच्छेद 324:** यह **संसद, राज्य विधान-मंडलों, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति** के पदों के लिए चुनावों के पर्यवेक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण की शक्ति ECI को प्रदान करता है।
- **संरचना: एक मुख्य निर्वाचन आयुक्त** (CEC) और अन्य निर्वाचन आयुक्त (ECs), जिनकी संख्या **राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित** की जाती है।
  - वर्तमान में इसमें **एक मुख्य निर्वाचन आयुक्त** और **दो निर्वाचन आयुक्त हैं।**
- **नियुक्ति: राष्ट्रपति** मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति करता है।
- **कार्यकाल: 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु,** जो भी पहले हो।
- **प्रस्थिति (Status), वेतन और भत्ते:** सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के समान।
- **पद से हटाना:** मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) को उसी प्रक्रिया और आधार पर पद से हटाया जा सकता है, जिस माध्यम से सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाया जाता है।

भारतीय निर्वाचन आयोग की प्रमुख उपलब्धियां

- **सफल चुनाव:** इसने **18 लोक सभा चुनाव और 400 से अधिक राज्य विधान सभा चुनावों** का सफलतापूर्वक संचालन किया है।
- **मतदाता पंजीकरण:** ECI ने **100 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं** की उपलब्धि हासिल की है।
- **बेहतर लिंग अनुपात:** पंजीकृत मतदाताओं का लिंगानुपात **928 (2019) से सुधरकर प्रति 1,000 पुरुषों पर 948 महिलाएं (2024)** हो गया है।
- **राजनीति में अपराधीकरण पर नियंत्रण:** लंबित आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों द्वारा अपने आपराधिक मामलों के विवरण को प्रकाशित करना अनिवार्य किया गया है।
- **अलग-अलग पहलें:**
  - मतदाता साक्षरता के लिए **सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता** (Systematic Voters' Education & Electoral Participation: SVEEP);
  - दिव्यांगजनों (PwDs) द्वारा मतदान को सुगम बनाने के लिए **सक्षम (SAKSHAM) ऐप।**

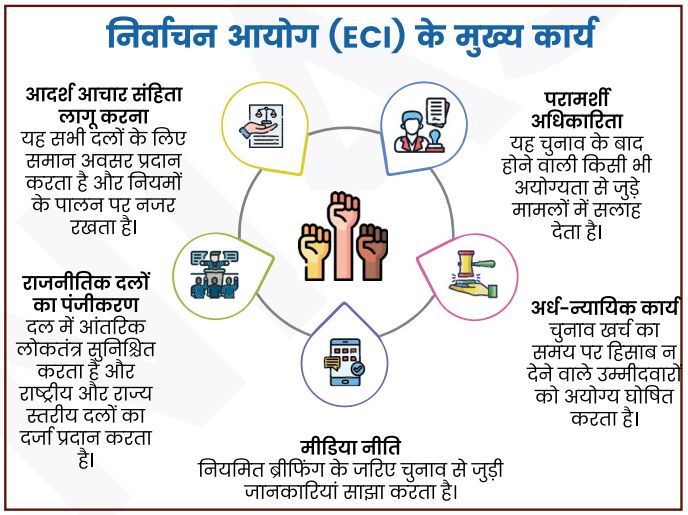

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सभी विदेशी सहायता को निलंबित करने और उनकी समीक्षा करने की घोषणा की

यह निर्णय **अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को पूरा करने तथा देश के करदाताओं की ओर से विदेशी सहायता की समीक्षा और उसके पुनर्निर्धारण को बढ़ावा** देने के उद्देश्य से लिया गया है। इस निर्णय की नैतिकता को लेकर बहस छिड़ गई है।

विदेशी सहायता के बारे में

- इसके तहत मुख्यतः **विकसित देश धन या अन्य संसाधनों को स्वेच्छा से किसी विकासशील देश को भेजता** है।

विदेशी सहायता के विविध प्रकार

- **द्विपक्षीय सहायता:** इसका उद्देश्य **गरीब देशों का कल्याण** सुनिश्चित करना है।
- **बहुपक्षीय सहायता:** यह **संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों जैसे बहुपक्षीय संस्थानों** को प्रदान की जाती है।
- **मानवीय सहायता:** यह **प्राकृतिक एवं मानव-जनित आपदाओं से राहत** के लिए प्रदान की जाती है।
- **आर्थिक सहायता:** यह **ऋण, अनुदान, आधिकारिक विकास सहायता (ODA)** आदि के रूप में प्रदान की जाती है।
- **सुरक्षा सहायता:** इसका उद्देश्य **सैन्य अनुबंधों आदि को सुगम** बनाना होता है।

समृद्ध या विकसित देशों द्वारा सहायता प्रदान करना क्यों जरूरी है?

- **मानवता और नैतिकता के मद्देनजर:** अन्य देश में बढ़ती असमानताओं के बीच मानवीय पीड़ा या संकट को दूर करने के लिए।
- **अतीत की गलतियों को सुधारने का अवसर:** विकसित देशों का यह नैतिक दायित्व है कि वे अतीत में की गई अपनी गलतियों को सुधारने के लिए विकासशील देशों को संसाधन प्रदान करें।
  - उदाहरण के लिए, जलवायु परिवर्तन संबंधी वार्ता में **साझा लेकिन अलग-अलग उत्तरदायित्वों की अवधारणा को शामिल** किया गया है।
- **वितरणात्मक न्याय सुनिश्चित करना:** वैश्विक समुदाय के स्तर पर **सामाजिक सहयोग को** बढ़ावा देना।
  - उदाहरण के लिए, वैश्वीकरण और आर्थिक रूप से परस्पर निर्भरता के कारण लाभों को साझा करना आवश्यक है।

विदेशी सहायता से जुड़े मुख्य नैतिक मुद्दे

- **सहायता का उद्देश्य:** क्या सहायता **मानवीय उद्देश्यों के लिए दी जाती है या वैश्विक जिम्मेदारी की भावना से या अपने हितों को पूरा करने के लिए?** उदाहरण के लिए, विकासशील देशों में क्लिनिकल परीक्षण हेतु सहायता देना।
- **सहायता का प्रभाव:** क्या सहायता का उद्देश्य **गरीबी को कम करना है या राजनीतिक हितों को बढ़ावा देना है?** उदाहरण के लिए, चीन की ऋण जाल कूटनीति।

विदेशी सहायता के पीछे नैतिक मंशा को बढ़ावा देने के तरीके

- **उद्देश्य को स्पष्ट रूप से निर्धारित करना:** यह सुनिश्चित करना कि सहायता का उद्देश्य मानवीय दायित्वों को पूरा करने, सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति करने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने आदि के लिए हो।
- **पारदर्शिता सुनिश्चित करना:** सहायता प्रदान करने वाले देशों/ संस्थाओं को सहायता प्राप्त करने वाले देशों की स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करना चाहिए, ताकि सहायता का उचित और सही तरीके से उपयोग हो।

उपभोक्ता मामले विभाग ने विधिक माप विज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2025 का मसौदा अधिसूचित किया

इन ऐतिहासिक नियमों का उद्देश्य भारत के सभी क्षेत्रकों में **भारतीय मानक समय (IST) के उपयोग को मानकीकृत और अनिवार्य** बनाना है।

विधिक माप विज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2025 के मसौदे के बारे में

- **अनिवार्य समय संदर्भ (Mandatory time reference):** वाणिज्य, परिवहन, लोक प्रशासन, कानूनी अनुबंध और वित्तीय परिचालन सहित सभी क्षेत्रकों में भारतीय मानक समय (IST) ही अनिवार्य समय संदर्भ होगा।
- **प्रतिबंध:** कोई भी व्यक्ति/ संस्था आधिकारिक/ व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए IST के अलावा अन्य समय संदर्भ का उपयोग, प्रदर्शन या रिकॉर्ड नहीं करेगा/ करेगी।
  - बशर्ते कि जब तक कोई कानून/ सरकारी निर्देश/ दिशा-निर्देश इसकी अनुमति देते हो।
- **टाइम सिंक्रोनाइजेशन प्रोटोकॉल को अपनाना:** सरकारी कार्यालयों के लिए **नेटवर्क टाइम प्रोटोकॉल और प्रिसिजन टाइम प्रोटोकॉल आदि को अपनाना अनिवार्य है।**
- **साइबर सुरक्षा:** रेसिलिएंस सुनिश्चित करने के लिए, **साइबर सुरक्षा उपाय और वैकल्पिक संदर्भ तंत्र** निर्धारित किए गए हैं।
- **अधिकृत अपवाद:** पूर्व अनुमति के साथ निर्धारित उद्देश्यों जैसे **खगोल विज्ञान, नेविगेशन, वैज्ञानिक अनुसंधान** आदि के लिए वैकल्पिक टाइम स्केल (GMT, आदि) के उपयोग की अनुमति है।

इन नये मसौदा नियमों का महत्त्व

- यह महत्वपूर्ण अवसंरचना के सिंक्रोनाइजेशन में सुधार करके **राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत** करता है।
- डिजिटल उपकरणों और सार्वजनिक सेवाओं के सिंक्रोनाइजेशन से **विश्वसनीय एवं कुशल सेवाएं सुनिश्चित** होती हैं।
- इससे **सटीक वित्तीय लेन-देन और रिकॉर्ड रखने में एक सामंजस्य** सुनिश्चित होगा।

भारतीय मानक समय (IST) के बारे में

- भारत की **केंद्रीय मध्याह्न रेखा** (अर्थात **मिर्जापुर** से गुजरने वाली **82°30' पूर्व मध्याह्न रेखा**) को **मानक मध्याह्न रेखा या IST** के रूप में माना जाता है। IST का प्रबंधन और मेंटेनेंस **CSIR-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (NPL)** द्वारा किया जाता है।
  - **केंद्रीय मध्याह्न रेखा:** यह **मिर्जापुर** से गुजरने वाली **82°30' पूर्व मध्याह्न रेखा** है।
- यह **ग्रीनविच मीन टाइम (GMT) से 5 घंटे 30 मिनट** आगे है। GMT को अब **यूनिवर्सल कोऑर्डिनेटेड टाइम (UTC)** कहा जाता है।
  - **प्रधान मध्याह्न रेखा (0° देशांतर)** पर स्थानीय समय को GMT के नाम से जाना जाता है।

देशांतर और समय:

- किसी स्थान का देशांतर **प्रधान मध्याह्न रेखा के पूर्व या पश्चिम में कोणीय दूरी** होती है। **प्रधान मध्याह्न रेखा ग्रीनविच (इंग्लैंड)** से होकर गुजरती है ।
- पृथ्वी अपनी धुरी पर 24 घंटे में एक पूर्ण चक्कर (360°) पूरा करती है। इसका अर्थ है कि यह **प्रति घंटे 15° या 4 मिनट** में 1° घूर्णन करती है।
- देश अक्सर अपने समय क्षेत्र के संदर्भ में **मानक मध्याह्न रेखा (150° या 7° 30' से विभाजित होने वाले देशांतर) का उपयोग** करते हैं।
  - अतः इसके मानक समय क्षेत्र और ग्रीनविच मीन टाइम के बीच अंतर को **एक घंटे या आधे घंटे के गुणज (Multiple)** के रूप में व्यक्त किया जा सकता है।

वर्ष 2025 में भारत-चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ होगी

हाल ही में, भारतीय विदेश सचिव ने चीन की यात्रा की और चीन के विदेश सचिव के साथ बैठक की। इस अवसर पर दोनों देशों ने **लोक कूटनीतिक प्रयासों को बढ़ाने** तथा विविध स्मरणीय गतिविधियां संचालित करने पर सहमति व्यक्त की।

दोनों देशों द्वारा की गई अन्य प्रमुख घोषणाएं:

- 2025 की गर्मियों में **कैलाश मानसरोवर यात्रा** फिर से शुरू की जाएगी।
- **सीमा-पार नदियों से संबंधित जल विज्ञान संबंधी डेटा के आदान-प्रदान** और अन्य सहयोग को फिर से शुरू किया जाएगा।
- दोनों देशों के बीच **सीधी हवाई सेवाएं** फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की गई।
- **अन्य:** लोगों के बीच संपर्क, मीडिया और थिंक टैंक के बीच वार्ताएं, आदि।

भारत-चीन संबंधों में चिंता के प्रमुख क्षेत्र

- **अनिश्चित सीमाएं: वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC)** पर कोई आपसी समझौता नहीं, हुआ है, **अक्साई चिन** पर विवाद है आदि।
  - **गलवान घाटी** (लद्दाख, 2020), **तवांग** (अरुणाचल प्रदेश, 2022) आदि में हिंसक झड़पों की घटनाएं देखी गई हैं।
- **असमान व्यापार:** चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 2022-23 के **83.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 85 बिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया था।
- **चीन-पाकिस्तान गठजोड़:** चीन की **बेल्ट एंड रोड पहल (BRI) के तहत चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC)** पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) से होकर गुजरता है।
- **चीन की मुखरता:** विशेष रूप से दक्षिण एशिया में स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स की नीति, मालदीव व श्रीलंका में कूटनीतिक विकास कार्य, दक्षिण चीन सागर पर दावा जैसी रणनीतियों के माध्यम से भारत-प्रशांत क्षेत्र में असुरक्षा पैदा होती है।

चीन से निपटने के लिए आगे की राह

- **सीमा-पार मुद्दे का समाधान:** LAC से सटे **देपसांग और डेमचोक** पर हाल ही में हुए समझौतों के माध्यम से समाधान किया जा सकता है।
- **राजनयिक जुड़ाव:** ब्रिक्स, SCO जैसे द्विपक्षीय या क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से संचार के ओपन चैनल बनाए रखना।

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने भुगतान प्रणाली रिपोर्ट, दिसंबर 2024 जारी की

"भुगतान प्रणाली रिपोर्ट" **वर्ष में दो बार प्रकाशित** की जाती है। इसमें पिछले **5 कैलेंडर वर्षों में विभिन्न भुगतान प्रणालियों का उपयोग करके** किए गए **भुगतान संबंधी लेन-देन के ट्रेंड्स का विश्लेषण** किया जाता है। वर्तमान रिपोर्ट में वर्ष 2024 तक के आंकड़े शामिल हैं।

भुगतान प्रणाली रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र:

- **डिजिटल भुगतान लेन-देन: 2013 में 222 करोड़** डिजिटल लेन-देन हुए, जिनका मूल्य **772 लाख करोड़ रुपये** था। वर्ष 2013 की तुलना में वर्ष 2024 में डिजिटल लेन-देन की संख्या में **94 गुना और मूल्य की दृष्टि से 3.5 गुना से अधिक की वृद्धि** हुई है।
- **एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI):** पिछले 5 वर्षों में UPI लेन-देन की **संख्या में 74.03%** और लेन-देन के **मूल्य में 68.14%** की CAGR (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) से वृद्धि हुई है।
- **क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड:** पिछले पांच वर्षों में **क्रेडिट कार्डों की संख्या दो गुना से भी अधिक बढ़ी** है। वहीं, इस **दौरान डेबिट कार्डों की संख्या में अपेक्षाकृत स्थिरता** देखी गई है।
- **वैश्विक ट्रेंड्स:** भारत **प्रोजेक्ट नेक्सस** में शामिल हो गया है। यह **चार आसियान देशों** (मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड) और **भारत की फ़ास्ट पेमेंट सिस्टम्स (FPSs)** को आपस में जोड़ने वाला एक बहुपक्षीय प्लेटफॉर्म है। यह साझेदारी भुगतान प्रणालियों के बीच सहज और तीव्र लेन-देन सुनिश्चित करती है।
  - **प्रोजेक्ट नेक्सस** का विचार **बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स** (BIS) द्वारा प्रस्तुत किया गया था। यह संबंधित देशों की घरेलू तीव्र भुगतान प्रणालियों को आपस में जोड़कर **तत्काल सीमा-पार खुदरा भुगतान को सक्षम बनाता है।**

भारत में भुगतान प्रणालियां

- भुगतान प्रणालियां **मौद्रिक और अन्य वित्तीय लेन-देन** के समाशोधन (Clearing) और निपटान (Settlement) को आसान एवं प्रभावी बनाती हैं।

भारत में भुगतान प्रणालियों का विनियमन

- **भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 (PSS अधिनियम):**
  - यह RBI को भारत में भुगतान प्रणालियों को **विनियमित एवं उनकी निगरानी करने का अधिकार देता है।**
  - यह अधिनियम **RBI को भुगतान प्रणाली के संचालकों** जैसे कि क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, NPCI, कार्ड भुगतान नेटवर्क, ATM नेटवर्क आदि को लाइसेंस/ प्राधिकार देने का अधिकार देता है।

भुगतान और निपटान प्रणाली विनियमन और पर्यवेक्षण बोर्ड (BPSS):

- यह RBI द्वारा PSS **अधिनियम** के तहत स्थापित एक शीर्ष निकाय है, जो भुगतान प्रणालियों से संबंधित **नीतिगत निर्णय** लेता है।
- इसके **अध्यक्ष RBI गवर्नर** होते हैं और **भुगतान एवं निपटान प्रणाली विभाग (DPSS) के प्रभारी डिप्टी गवर्नर इसके उपाध्यक्ष** के रूप में कार्य करते हैं।

अन्य सुर्ख़ियां

एनहैंस्ड सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन (eCoO) 2.0 प्रणाली

विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) ने एनहैंस्ड सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन (eCoO) 2.0 प्रणाली शुरू की।

एनहैंस्ड सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन (eCoO) 2.0 प्रणाली के बारे में

- यह निर्यातकों के लिए **प्रमाणन प्रक्रिया को सरल बनाने और व्यापार दक्षता बढ़ाने** के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।
- **मल्टी-यूजर एक्सेस:** इसमें एक ही **आयातक-निर्यातक कोड (IEC)** के तहत कई उपयोगकर्ताओं को अधिकृत करने की सुविधा है। इसी प्रकार इसमें उपयोगकर्ता अनुकूल कई अन्य विशेषताएं भी शामिल हैं।
- यह **डिजिटल हस्ताक्षर टोकन के साथ-साथ आधार-आधारित ई-हस्ताक्षर को भी स्वीकार** करता है, जिससे अधिक सुगमता सुनिश्चित होती है।

सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन (CoO) के बारे में:

- यह **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में उपयोग** किया जाने वाला एक दस्तावेज है। यह प्रमाणित करता है कि निर्यातित वस्तु **किस देश में बनाई** गई है।

बम चक्रवात

आयरलैंड और स्कॉटलैंड के ऊपर बने **तूफ़ान इओविन** को बम चक्रवात कहा गया है। ऐसा इसलिए, क्योंकि **24 घंटे में इसका दाब 50 मिलीबार कम** हो गया है।

बम चक्रवात के बारे में

- किसी तूफान को **"बम चक्रवात"** तब कहा जा सकता है, जब उसका केंद्रीय वायुदाब **24 घंटे में कम-से-कम 24 मिलीबार कम** हो जाए।
- बम चक्रवात नाम मौसम विज्ञान संबंधी शब्द **'बॉम्बोजेनेसिस'** से लिया गया है। इसमें **मध्य अक्षांशीय चक्रवात 24 घंटे की अवधि में तीव्र** हो जाता है।
- ऐसा अक्सर **ठंडी और गर्म वायु राशियों के टकराने के कारण** होता है। यह एक ऐसी घटना है, जिसके कारण **दाब कम** हो जाता है।
- इनमें से अधिकांश **वर्ष भर समुद्र के ऊपर** पाए जाते हैं तथा प्रकृति में **उष्णकटिबंधीय या गैर-उष्णकटिबंधीय** हो सकते हैं।

रायथु भरोसा योजना

तेलंगाना सरकार ने रायथु भरोसा योजना के तहत धनराशि वितरित की। यह योजना **26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर लागू** हो गई है।

- यह योजना फसल संबंधी निवेश हेतु सहायता के रूप में प्रति फसली मौसम **प्रति एकड़ 6,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान** करती है।
- **राजस्व गांवों (Revenue villages)** के आधार पर धनराशि जारी की जाती है।

अन्य समान कृषि कल्याण योजनाएं

- **पीएम-किसान (प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि):** यह **केंद्र सरकार की योजना है,** जो पूरे भारत में लघु और सीमांत किसानों को प्रतिवर्ष **6,000 रुपये की आय सहायता** प्रदान करती है।
- **कालिया योजना (आजीविका और आय संवर्धन के लिए कृषक सहायता):** यह **ओडिशा** राज्य की योजना है, जो किसानों और भूमिहीन श्रमिकों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

दारफुर संकट

इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (ICC) के अभियोजक ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से **सूडान के दारफुर क्षेत्र** में बढ़ते अत्याचारों पर निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया।

दारफुर संकट के बारे में

- **इसके बारे में: दारफुर पश्चिमी सूडान** का एक क्षेत्र है, जहां लगभग 80 जनजातीय और नृजातीय समूह रहते हैं। यह क्षेत्र लंबे समय से जनजातीय और नृजातीय संघर्षों का केंद्र रहा है।
- **पृष्ठभूमि:** यह संकट 2003 में तब गहराया, जब **विद्रोही गुटों (सूडान लिबरेशन आर्मी और जस्टिस एंड इक्वैलिटी मूवमेंट)** ने सूडान सरकार के खिलाफ हथियार उठा लिए। यह संघर्ष आर्थिक संसाधनों के असमान वितरण के खिलाफ था, जिससे बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ और लाखों लोग विस्थापित हो गए।

ऑपरेशन संकल्प

हाल ही में, **ऑपरेशन संकल्प** को अंजाम देने के लिए अधिकारियों को **वायु सेवा पदक से सम्मानित** किया गया।

ऑपरेशन संकल्प के बारे में

- इसे **भारतीय नौसेना द्वारा इजरायल-हमास संघर्ष** की पृष्ठभूमि में **समुद्री समुदाय** को अलग-अलग **गैर-पारंपरिक खतरों** से बचाने के लिए लॉन्च किया गया था।
- इसमें **ऑपरेशन के तीन क्षेत्र शामिल थे:** अदन की खाड़ी और आसपास के क्षेत्र, अरब सागर तथा सोमालिया के पूर्वी तट से सटा समुद्री क्षेत्र।
- ऑपरेशन के दौरान, नौसेना ने कई घटनाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त की, **जैसे**
  - **लोगों की जान बचाई गई, नशीले पदार्थ जब्त किए गए, व्यापारी जहाजों को हाईजैक होने से बचाया** गया आदि।

IIM बैंगलोर द्वारा राजमार्गों पर रिपोर्ट

वर्ष 2013 से राजमार्ग विकास पर **गुणक प्रभाव पड़ा है,** क्योंकि राजमार्ग निर्माण पर किए गए व्यय की प्रत्येक इकाई के परिणामस्वरूप **सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में 3.21 इकाई की वृद्धि** हुई है।

- गुणक प्रभाव से तात्पर्य **विशेष रूप से अवसंरचनात्मक परियोजनाओं पर सरकारी व्यय में वृद्धि के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय आय में वृद्धि से है।**

रिपोर्ट के अन्य बिंदुओं पर एक नजर:

- 2013 से 2022 के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग विकास से **घरेलू आय में 9 प्रतिशत की वृद्धि** हुई है।
- इसके अलावा, कारखानों और आपूर्तिकर्ताओं के बीच **परिवहन लागत में 2.94% तथा 1.33% की कमी** आई है।
- **राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) नेटवर्क** 2014 में 91,287 किमी से 60% बढ़कर वर्ष 2024 में 1,46,145 किमी हो जाएगा।

ऑर्गेनोफॉस्फेट

जम्मू व कश्मीर के डॉक्टर्स ने 17 ग्रामीणों की मौत के पीछे कीटनाशकों में इस्तेमाल होने वाले ऑर्गेनोफॉस्फेट पर शंका व्यक्त की है।

ऑर्गेनोफॉस्फेट के बारे में

- **निर्माण:** यह एक **रासायनिक यौगिक** है। यह **फॉस्फोरिक एसिड और अल्कोहल से युक्त एस्टरीफिकेशन** प्रक्रिया के माध्यम से निर्मित होता है।
  - एस्टरीफिकेशन एक ऐसी **रासायनिक अभिक्रिया है, जिसमें अल्कोहल और अम्ल** जैसे दो अभिकारक मिलकर अभिक्रिया उत्पाद के रूप में एस्टर बनाते हैं।
- **उपयोग: हर्बिसाइड, पेस्टिसाइड, इंसेक्टिसाइड,** रासायनिक युद्ध में नर्व एजेंट बनाने में आदि।
  - **नर्व एजेंट** संपर्क में आए जीवों में **नर्व सिग्नल्स या न्यूरोमस्कुलर ट्रांसमिशन को बाधित** करता है।

गिलियान-बैरे सिंड्रोम (GBS)

महाराष्ट्र के पुणे में गिलियान-बैरे सिंड्रोम (GBS) का प्रकोप सामने आया है।

- इस बीमारी को **कैम्पिलोबैक्टर नामक जीवाणुजनित आंत के संक्रमण** से जोड़कर देखा जा रहा है, जो **दूषित भोजन और पानी** के माध्यम से फैलता है।

गिलियान-बैरे सिंड्रोम (GBS) के बारे में

- यह एक बहुत ही दुर्लभ लेकिन **संभावित रूप से पक्षाघातकारी तंत्रिका विकार** है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा गलती से **शरीर की अपनी तंत्रिकाओं पर हमला करने** के कारण होता है।
- यह रोग प्रायः **जठरांत्रिय या श्वसन संबंधी संक्रमण** के कारण होता है।
- **लक्षण:** कमजोरी, संवेदना में परिवर्तन, कभी-कभी पक्षाघात आदि।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

लाओ PDR (पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक) (राजधानी: वियनतियाने)

हाल ही में, भारतीय दूतावास ने लाओ PDR के **'गोल्डन ट्रायंगल स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन' (GTSEZ) में साइबर घोटाला केंद्रों से 67 भारतीयों को बचाया।**

लाओ PDR के बारे में

- **भौगोलिक अवस्थिति:**
  - **अवस्थिति:** यह **दक्षिण-पूर्व एशिया का एकमात्र स्थलरुद्ध** देश है।
    - यह **थाईलैंड** और **म्यांमार** के साथ **गोल्डन ट्रायंगल (अफीम उत्पादक क्षेत्र)** का हिस्सा है।
  - **भूमि सीमाएं:** इसके उत्तर में **चीन;** उत्तर-पूर्व व पूर्व में **वियतनाम;** दक्षिण में **कंबोडिया;** पश्चिम में **थाईलैंड** और उत्तर-पश्चिम में **म्यांमार** स्थित है।
  - यह **दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्र संघ (ASEAN/ आसियान)** का सदस्य है।
- **भौगोलिक विशेषताएं**
  - **पठार:** ज़ियांगखियांग, बोलोवेन्स और खम्मौआन।
  - **पर्वत श्रृंखलाएं:** अन्नामाइट रेंज, लुआंग प्रबांग रेंज।
  - **सबसे ऊंची चोटी:** फु बिया।
  - **प्रमुख नदियां: मेकांग** (म्यांमार और थाईलैंड की सीमा पर, राजधानी **वियनतियाने** इसी नदी के तट पर स्थित है)।

अहमदाबाद बेंगलूरु भोपाल चंडीगढ़ दिल्ली गुवाहाटी हैदराबाद जयपुर जोधपुर लखनऊ प्रयागराज पुणे राँची